www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम...

3 वीबी-जी राम जी से मजदूर-किसानों को मिलेगा...

4 सात साल बाद अभिनय में वापसी पर या बोलीं...

वर्ष: 10 | अंक: 107 | दिल्ली, सोमवार, 9 फरवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

देश के संतुलन के लिए जरूरी हैं 3 बच्चे-मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को देश के कई जरूरी मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि आम जनता और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। जनसंख्या के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संतुलित रखने के लिए परिवारों में तीन बच्चों का होना जरूरी है। उन्होंने इसके पीछे पुराने अनुभवों और सेहत से जुड़े कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का मामला नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। भागवत जी ने आबादी के बिगड़ते संतुलन के तीन बड़े कारण बताए, जिनमें बच्चों के जन्म की दर, धर्म परिवर्तन और बाहर से आने वाले घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ जीडीपी के आंकड़ों को देखकर खुश नहीं होना चाहिए। जीडीपी से सिर्फ सामान के आने-जाने का पता चलता है, लेकिन इससे यह नहीं पता चलता कि हर व्यक्ति कितना खुशहाल है। उन्होंने कहा कि हमारा रुपया तभी मजबूत होगा जब हम अपने देश में बनी चीजों की क्वालिटी और उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देंगे।

तेज रफ्तार कार ने निर्माणाधीन एक्सप्रेस पर आठ लोगों को टक्कर मारी, चार की मौत

रायबरेली (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में रविवार को एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना घटित हुई। जगतपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर जनौली गांव के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पर एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रहे आठ लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में चार युवतियों की मौत हो गई है, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कोडर गांव के निवासी चुली गांव में आयोजित एक सामुदायिक भोज में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद सभी लोग निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे के रास्ते अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक है और भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां और गति देने वाली है-चौहान

भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी उत्पाद ट्रेड डील में शामिल नहीं

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई हालिया ट्रेड डील को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति और नई ऊंचाइयां देने वाला साबित होगा। ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक भी है। यह डील भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ उसे नई दिशा प्रदान करेगी।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह समझौता पूरी दुनिया के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है। यह डील दुनिया को संदेश देती है कि भारत की नीति कमिटमेंट की है, कॉम्प्रोमाइज की नहीं। हम आत्मविश्वास के साथ देश के हित में निर्णय लेते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर संतुलित और सकारात्मक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। हम सौदेबाजी की राजनीति नहीं करते, बल्कि संतुलित रणनीति अपनाकर सकारात्मक संवाद में विश्वास रखते हैं। यही वजह है कि आज भारत वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद और मजबूत साझेदार के रूप में उभर रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह ट्रेड डील डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का एक उत्तम उदाहरण है। डिप्लोमेसी का अर्थ है राष्ट्र प्रथम, और इस समझौते में भारत के राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखे गए हैं। डेवलपमेंट यानी विकसित भारत की दिशा में बढ़ते कदम यह डील उसके लिए भी एक मजबूत आधार प्रदान करती है। डिग्निटी का मतलब है किसान की गरिमा, और मुझे गर्व है कि इस समझौते में किसान की गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों को लेकर देश के मन में जो भी चिंताएं थीं, उनका इस ट्रेड डील में समाधान किया गया है। यह समझौता हमारे किसानों को पूरी तरह से सुरक्षित रखता है।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह डील केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नए अवसरों का द्वार भी खोलती है। यह ट्रेड डील हमारे कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार में नए अवसर प्रदान करेगी और किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। यही आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव है। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि भारतीय किसानों के कई कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा। लेकिन अमेरिकी किसानों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में यह छूट नहीं मिली है।

भारत के कृषि और डेयरी के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कृषि क्षेत्र के कई उत्पादों पर टैरिफ में बड़ी कटौती की है। कई कृषि उत्पादों पर जो टैरिफ पहले 50 प्रतिशत तक था, उसे अमेरिका ने घटाकर शून्य कर दिया है। इसमें मसाले, चाय, कॉफी, नारियल, नारियल तेल, सुपारी, काजू, वनस्पति वैक्स, एवोकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम और कुछ अनाज भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि, वर्ष 2024-25 में भारत का कृषि निर्यात 4.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। मसाला निर्यात में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब इस ट्रेड डील के बाद हमारे मसालों को अमेरिका में भी नया और बड़ा बाजार मिलेगा। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत पहले से ही मसालों के वैश्विक बाजार में मजबूत स्थिति रखता है। दुनिया भर के करीब 200 स्थानों पर भारत मसाले और मसालों के उत्पाद निर्यात करता है।

जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में रखें, स्वस्थ चर्चा से कराएं प्रदेश का विकास: योगी आदित्यनाथ

9 फरवरी से प्रारंभ होगा विधान मंडल का बजट सत्र

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। विधान मंडल का बजट सत्र 9 फरवरी (सोमवार) से प्रारंभ होगा। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री व नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने का अनुरोध करते हुए उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में रखें और इस पर स्वस्थ चर्चा कर प्रदेश में विकास को गति प्रदान करने के लिए सरकार का सहयोग करें।

विधानसभा सत्र संचालन के संबंध में विधान भवन में आयोजित इस सर्वदलीय बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है। जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों पर सदन में सुचारु रूप से चर्चा करनी चाहिए। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधाएं न आएं, इसका ध्यान सभी सदस्यों को रखना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, कांग्रेस की आराधना मिश्रा 'मोना', निषाद पार्टी के रमेश सिंह, लोकदल के राजपाल बालियान, अपना दल के रामनिवास वर्मा आदि मौजूद रहे।

सत्ता और पद तभी सार्थक हैं जब वे सेवा और करुणा से जुड़े हों-विजेंद्र गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। "इस पंचकल्याणक महामहोत्सव का साक्षी होना केवल एक धार्मिक अनुभव नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक शांति का मार्ग है" यह विचार दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने जैन तीर्थ वीरोदय, निर्माण विहार, दिल्ली में प्रथम विश्वकर्मा तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य आयोजित एक विशाल आध्यात्मिक सभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। यह आयोजन राष्ट्र संत और महान योगी, उपाध्याय (डॉ.) गुप्तिसागर गुरुदेव के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया था।

प्रथम तीर्थंकर की आध्यात्मिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए श्री गुप्ता ने कहा, "भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) ने ही विश्व को सभ्यता, श्रम और कर्तव्य का पहला पाठ पढ़ाया था। आज इस प्राण प्रतिष्ठा के माध्यम से हम उन शाश्वत मूल्यों को अपने जीवन में पुनर्जीवित कर रहे हैं। जैन समाज ने अपनी सादगी और अहिंसा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है।"

पूज्य गुरुदेव के दर्शन का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने आध्यात्मिकता और शासन के आपसी संबंध पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "पूज्य गुरुदेव का 'जन-संवेदना' का दर्शन हमें सिखाता है कि चाहे राजनीति हो या समाज सेवा, हमारा अंतिम लक्ष्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण होना चाहिए। यह महोत्सव हमें याद दिलाता है कि सत्ता और पद तभी सार्थक हैं जब वे सेवा और करुणा की जड़ों से जुड़े हों।"

अध्यक्ष ने इस भव्य आयोजन के लिए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समिति के पुण्य प्रयासों ने राष्ट्रीय राजधानी के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

जैन धर्म के सार्वभौमिक संदेश पर जोर देते हुए श्री गुप्ता ने नागरिकों से "जीओ और जीने दो" के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना जहाँ प्रेम, स्नेह और सद्भाव निरंतर प्रवाहित हो, तीर्थंकरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष ने दिल्ली के लोगों की समृद्धि और कल्याण के लिए उपाध्याय गुप्तिसागर गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पशुपालन को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाना है सरकार का लक्ष्य: नायब सैनी

कृषि विभाग की गांव अण्टेहडी की 53 एकड़ भूमि पर की जा रही है प्राकृतिक खेती

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में पशुपालन क्षेत्र की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। दुग्ध उत्पादन, मूल्य संवर्धन, निर्यात संभावनाएं और स्टार्ट-अप संस्कृति में अपार अवसर हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य पशुपालन को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। इसी कड़ी में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचा रहे हैं, उन्नत नस्ल संवर्धन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दुग्ध संग्रहण और विपणन की मजबूत व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही प्रशिक्षण और ऋण सुविधाओं का भी विस्तार भी किया जा रहा है। सरकार का पशुपालकों की आय को बढ़ाना, जोखिम घाटे को कम करना और बाजार तक सीधी पहुंच बनाना प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी समारोह के तीसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, सांसद श्री नवीन जिंदल, पूर्व मंत्री श्री सुभाष सुधा, चेयरमैन श्री धर्मवीर मिजापुर भी साथ रहे। मुख्यमंत्री ने देशी गाय को गुड़ खिलाकर पूजा अर्चना भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का निरीक्षण कर पशुओं की विभिन्न नस्लों को देखा और पशुपालकों से बातचीत की। मेले में बनाए कैटवॉक पर अच्छी नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन देखा।

इस दौरान ऊंट ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न कैटेगरी में अव्वल आने वाले पशुपालकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह तीन दिवसीय पशुधन प्रदर्शनी हमारी ग्रामीण संस्कृति, पशुधन परंपरा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते हमारे संकल्प का जीवंत प्रतीक है।

धर्म-कुरुक्षेत्र की यह पावन धरा, जो कर्म, कर्तव्य और संतुलन का संदेश देती है, आज पशुपालन और ग्रामीण समृद्धि के संकल्प की साक्षी बनी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में इस प्रदर्शनी ने पशुपालकों, किसानों, युवाओं, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान किया। यहां उच्च गुणवत्ता वाले पशुओं की प्रदर्शनी, कैटल शो, आधुनिक तकनीकों की झलक, पशु स्वास्थ्य शिविर, प्रशिक्षण सत्र और नवाचार आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी ने यह सिद्ध किया कि हरियाणा का पशुपालन क्षेत्र परंपरा और प्रगति का सुंदर संगम है। प्रदेश के प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध उपलब्धता 1 हजार 128 ग्राम है। इसका श्रेय पशुपालक भाई-बहनों को जाता है।

अब तक प्रदेश में खोली जा चुकी हैं 287 महिला किसान डेयरी

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि किसानों व पशुपालकों के लिए जल्द ही एक कंपनी के सहयोग से पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में किट के माध्यम से पशुओं की बीमारियों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि पशुपालक कृषि की अर्थव्यवस्था का स्तंभ बना हुआ है। हमारे ग्रामीण लोग पशुपालन पर निर्भर है, इससे हमारे गांव का विकास हो रहा है। हमारा प्रदेश प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। डेयरी के क्षेत्र में नए आयाम को छू रहा है। पशुधन मेला भारत की नई तस्वीर दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में नई नई नस्ल के पशु पर काम करना होगा।

इस दौरान पूर्व मंत्री श्री सुभाष सुधा, प्रधान सचिव विजय दहिया, महानिदेशक डा. प्रेम सिंह, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिजापुर, हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की है पहचान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के सर्वांगीण विकास में जुटी है। जनजातीय भाई-बहनों का राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्कपट भक्ति, समर्पण और साधना की सर्वोच्च प्रतीक शबरी मैया ने सारा जीवन रघुवर की प्रतीक्षा की। प्रेम में समर्पित इस प्रतीक्षा का फल केवल माता शबरी को ही नहीं मिला बल्कि स्वयं भगवान श्री राम को भी मिला। मनुष्य से मनुष्य का प्रेम ही सनातन संस्कृति की विशेषता है।

भगवान श्रीराम और माता शबरी का प्रेम बताता है कि हमारे समाज में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहडोल जिले के धनपुरी में नगर पालिका द्वारा 20 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए वॉटर पार्क के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा तथा गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके बन जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और कोचिंग जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल सिंचाई काम्पलेक्स निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत सोन नदी पर 4 माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपए की इस योजना से 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीट वृद्धि के संबंध में विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर सीट वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले में 160 करोड रुपए लागत से 45 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन महाविद्यालय आरंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने 3 किलोमीटर लंबे मॉडल रोड निर्माण पर भी सहमति प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लोकसभा-विधानसभा में भी बहनों को आरक्षण मिलने वाला है। आने वाला समय माता-बहनों का है, हमारी संस्कृति बहनों के आधार पर ही पुष्पित पल्लवित होती रही है।

'गैंगस्टरां ते वार': मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए 'ऑपरेशन प्रहार-2' शुरू किया

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार, पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से चल रही गैंगस्टरां ते वार मुहिम में और तेजी लाते हुए, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए 72 घंटे के ऑपरेशन प्रहार-2 की शुरूआत की घोषणा की।

डीजीपी गौरव यादव, जिनके साथ विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला, एडीजीपी एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नीलाभ किशोर और इंटेलिजेंस प्रमुख डॉ. सुखचैन सिंह गिल भी मौजूद थे, ने सभी सीपी/एसएसपी और रेंज आईजीपी/ डीआईजी के साथ उच्च-स्तरीय बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस बैठक में नशों के खिलाफ युद्ध और गैंगस्टरां ते वार अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। यह कार्रवाई ऑपरेशन प्रहार की बड़ी सफलता के कुछ दिनों बाद शुरू की गई है, जिसमें महज 72 घंटों में 3,256 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 69 हथियार बरामद किए गए थे। डीजीपी ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार-2 सोमवार से बुधवार तक चलेगा और इसकी प्रभावी निगरानी के लिए पंजाब पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया है। गैंगस्टरां ते वार मुहिम के पिछले 20 दिनों के परिणाम साझा करते हुए डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 17,603 छापेमारी कीं और 5,290 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनमें गैंगस्टर और उनके सहयोगी शामिल हैं। इनके कब्जे से 128 हथियार बरामद किए गए। इसके अलावा 2,973 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 5,413 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि 344 भगोड़े अपराधी (प्रॉक्लेम्ड ऑफेंडर/पीओ) भी गिरफ्तार किए गए। सभी झूठी प्रचारबाजी को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरा अभियान पूरी तरह कानून के अनुसार चलाया जा रहा है और पुलिस केवल उन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रही है जो अपराध में वांछित हैं।

सम्पादकीय

नजर रखो...

किसी से लड़ना, अवाइड करना या और कुछ भी तिरस्कार वगैरह इन सबसे बुरी बात समझी जाती है नजर रखना। नजर किस पर रखी जाती है? वह तो सब ठीक है अपराधी वगैरह। लेकिन उससे भी बुरी बात है नजर अपने आश्रित पर रखी जाती है। शब्द बहुत गंदा है मगर सच वही है कि गुलाम पर। कि वह गुलामी से बाहर जाने की तो नहीं सोच रहा। नजर रखो इस पर। तो मोदी जी आज भारत को इस स्थिति पर ले आए कि अमेरिका के अधिकारी हम पर निगाह रखेंगे। अब क्या कहें? हद तो यह हो गई कि इस शर्मनाक स्थिति में लाने को मोदी अपनी शान समझ रहे हैं! संसद परिसर में एनडीए के सांसदों से अपना स्वागत करवा रहे हैं। हार पहन रहे हैं। जीत का! हम किस से तेल खरीदेंगे किस से नहीं यह अमेरिका तय करेगा। और हम उसके अनुसार करेंगे। मगर फिर भी वह हम पर निगाह रखेगा। इससे ज्यादा शर्म की, अपमान की बात और क्या हो सकती है। लेकिन क्या यह भारत का अपमान है? ऊपर से देखने में है। मगर वास्तव में यह मोदी का पराभव है। सारी नकली कलई खुल गई। 56 इंच की छाती, लाल आंखों और एक अकेला सब पर भारी की असलियत सब के सामने आ गई। अमेरिका के सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण कर दिया। राहुल गांधी के शब्दों में नरेन्द्र ...सरेन्डर! बाहर इस तरह सरेन्डर किया और यहां राहुल का सामना होने से डर कर लोकसभा में नहीं आए। राहुल ने सुबह कहा था मोदी जी में लोकसभा में आने की हिम्मत नहीं है। उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना था। मगर वे वास्तव में नहीं आए और उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष से कहलवाया यह गया कि मोदी के सदन में खतरा था। विपक्ष की महिला सांसदों से। लेकिन नहीं आए। प्रधानमंत्री को सदन के अंदर खतरा! वह भी महिला सांसदों से! बहुत बड़ा मजाक हो गया यह। और यहीं से मोदी जी की उल्टी गिनती की शुरुआत हो जाती है। विदेशों से भारत की निगरानी का फरमान आता है और उन्हें जवाब देना तो दूर वे देश में अपनी लोकसभा में जिसके वे नेता हैं वहां इसलिए नहीं जाते क्योंकि उन्हें वहां खतरा दिखता है। अमेरिका से डील मोदी की है। कमजोर और लाचार भारत दिख रहा है। भारत न कमा था न कमा है। लेकिन जैसा कि भक्तों ने मोदी का मतलब भारत कर दिया था। वैसा ही अब मोदी के कमजोर होने से अमेरिका भारत को कमजोर समझ रहा है। उस पर नजर रखने की बात कर रहा है। इसका जवाब विपक्ष तो कड़े शब्दों में दे ही रहा है। कांग्रेस ने साफ कह दिया कि आपकी जो भी सीक्रेट अमेरिका के पास हों हमें कोई मतलब नहीं है। आप इस वजह से सरेंडर कर दीजिए मगर भारत नहीं झुकेगा।

मोतीपुर से विश्व मंच तक वैभव सूर्यवंशी

समस्तीपुर की धरती बोली,
मोतीपुर ने गर्व रचा,
छह बरस का नन्हा बालक,
सपनों का दीप जला।
हाथ में बल्ला, आंखों में देश,
माथे पर मेहनत का तेज सजा।

संजीव सूर्यवंशी का विश्वास बना ढाल,
मां आरती का त्याग बना आशीर्वाद,
हर ठोकर पर थाम लिया हाथ,
हर हार में बोला–तू है लाजवाब।

कोच ब्रजेश की तपस्या ने,
गढ़ दिया अनुशासन का स्वरूप,
सुबह की ओस से शाम के पसीने तक,
ढलता गया एक स्वर्णिम रूप।

मिट्टी के मैदान बने मंदिर,
जहां साधना रोज हुई,
हर शॉट में संयम झलका,
हर रन में तपस्या बोई गई।

जब विश्व पटल पर गूंजा भारत,
तिरंगे ने आसमान चूमा,
अंडर–19 का कप उठा हाथों में,
हर गांव ने इतिहास बुना।

ड्रेसिंग रूम बना रणभेरी,
नृत्य में बदली साधना की धुन,
हंसी, उल्लास, आंखों में चमक,
विजय बना युवाओं का गुण।

यह जीत सिर्फ वैभव की नहीं,
यह मोतीपुर का उद्घोष है,
हर गांव का बच्चा बोले आज–
मेहनत ही सबसे बड़ा भरोसा है।

कल जब इतिहास पलटे पन्ने,
यह तेजस्वी कथा गाएगा,
शब्दों में जो उतरी यह गाथा–
मुकेश उसे युगों तक सुनाएगा।

–मुकेश समस्तीपुरी
मुकेश कुमार, समस्तीपुर

जयंती

सी. पी. कृष्णन नायर

जन्म– 9 फरवरी, 1922, कन्नूर, केरल, मृत्यु–17 मई, 2014, मुम्बई, महाराष्ट्र, 'होटल लीलावेंचर' के संस्थापक और चेयरमैन एमिरेट्स थे। भारतीय सेना से अपना कॅरियर शुरू करने वाले नायर ने शुरूआत में टेक्सटाइल इकाई स्थापित की थी। बाद में वर्ष 1981 में उन्होंने होटल एवं रिसोर्ट ब्रांड लीला पैलेस के नाम से लक्जरी हॉस्पिटैलिटी चेन शुरू की। फरवरी, 2013 में उन्होंने होटल लीलावेंचर के चेयरमैन पद से इस्तीफा देकर कारोबार की कमान अपने बेटों विवेक और दिनेश नायर को सौंप दी थी।

पुण्यतिथि

बालकृष्ण चापेकर

जन्म: 1873; मृत्यु: 9 फरवरी, 1899, भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे। बालकृष्ण चापेकर बाल गंगाधर तिलक से अत्यधिक प्रभावित थे। इन्होंने अपने निष्ठुर व्यवहार के कारण प्लेग–विरोधी अभियान कार्यान्वित किया था।

कल मिलेंगे

दामाद ससुराल आया तो सास बोली–शरमाना नहीं,
इसे अपना ही घर समझना
दामाद–फिर मैं झाड़ू, पोछा और बर्तन कर दूं.....
सास (दामाद से)–महिलाओं को जीवन में बस चार सुख चाहिए
दामाद–वो क्या?
सास–सुंदर काया, पर्स में माया, घर में आया और
एक आवाज में पति बोले–मैं अभी आया.....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी। **मुद्रक**-देवानंद राय।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए

–नीरज कुमार दुबे

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरूआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे।

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।

हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया।

बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए।

अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है।

सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।

सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।

बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मतदाताओं को सीधे कैश ट्रांसफर मामले की सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

कोर्ट का इंकार अपने ही संवैधानिक मिसालों और फैसलों के अनुरूप नहीं है। कमजोर या अलोकप्रिय याचिकाकर्ता भी संवैधानिक कमियों को उजागर कर सकते हैं। उन कमियों की शुरूआत में ही जांच करने से इंकार करके, कोर्ट ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका से पीछे हटने के बजाय उसे मजबूत करने का अवसर खो दिया है

-डॉ. ज्ञान पाठक

सर्वोच्च न्यायालय का चुनाव के दौरान चुनावी आदर्श आचार संहिता (एससीसी) लागू होने के बाद मतदाताओं को सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा सीधे कैश ट्रांसफर, भारतीय चुनाव आयोग का इस तरह से चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर आंखें मूंद लेना, और मतदान के दिन लाभार्थियों को चुनाव ड्यूटी पर लगाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार करना अनुचित है क्योंकि इसमें पहचानने योग्य कानूनी कमजोरियां हैं और साथ ही राजनीतिक रंग भी, जिसने एक याचिकाकर्ता राजनीतिक पार्टी को चुनाव में उसकी विफलता के लिए उपहासपूर्ण टिप्पणी की, जबकि आरोप के गुण-दोष में जाए बिना इसे न सुनने के लिए एक आधार बनाया भी बनाया।

शुक्रवार (6 फरवरी) को जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज पार्टी (जेएसपी) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई से इंकार करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को रद्द करने और सत्तारूढ़ प्रतिष्ठानों द्वारा चुनाव जीतने के लिए अपनाई गई भ्रष्ट प्रथा को रोककर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उचित दिशानिर्देश बनाने और समुचित निर्देश देने की मांग की थी।

सबसे परेशान करने वाली बात मुख्य न्यायाधीश की राजनीतिक टिप्पणी थी, 'आपकी राजनीतिक पार्टी को कितने वोट मिले? लोग आपको खारिज करते हैं और आप लोकप्रियता पाने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करते हैं। ... हम पूरे राज्य के लिए एक साथ निर्देश जारी नहीं कर सकते, वह भी किसी राजनीतिक पार्टी की पहल पर।' जेएसपी ने याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 10,000 रुपये हस्तांतरित करके चुनावी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली लॉन्च किया था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि कर्ज में डूबे राज्य ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 का उल्लंघन करते हुए मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 15,600 करोड़ रुपये बांटे।

हम जानते हैं कि जेएसपी एक भी सीट नहीं जीत पाई और उसके ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई, लेकिन यह भी सच है कि जेएसपी को 16 लाख से ज्यादा वोट मिले, जो कुल डाले गए वैध मतों का 3.34 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि जेएसपी राज्य के इतने सारे लोगों की आवाज है, और इसलिए इसे यूं ही खारिज नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता की चुनावी विफलता और पब्लिसिटी की कथित तलाश के बारे में कोर्ट की बात में और भी कमियां हैं, जैसे कि संवैधानिक न्यायशास्त्र चुनावी सफलता को कानूनी हैसियत के लिए एक मानदंड के रूप में नहीं मानता, या विफलता को न्याय मांगने के अधिकार की जब्ती के रूप में भी नहीं मानता। ऐतिहासिक रूप से, कई बड़े संवैधानिक मामले उन लोगों द्वारा लाए गए थे जो राजनीतिक रूप से हाशिये पर थे।

इसलिए, किसी कानूनी याचिका की स्वीकार्यता तय करते समय याचिकाकर्ता की चुनावी लोकप्रियता को तौलना, संवैधानिक न्यायनिर्णय में एक व्यक्तिपरक और गैर-कानूनी मानक लाने का जोखिम है। न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह दावों पर फैसला करे, न कि इरादों पर। कोर्ट मामले का गुणदोष सुने बिना इरादे के बारे में कैसे फैसला कर सकता है? राजनीतिक रूप से असफल पार्टियों को भी चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन जैसे मुद्दे उठाने का अधिकार है, क्योंकि वे निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव को नष्ट करते हैं और जिससे सभी राजनीतिक पार्टियों को चुनाव मैदान में समान अवसर नहीं मिलता और वे इस गड़बड़ी के शिकार होते हैं। कोर्ट की दूसरी टिप्पणियों के बारे में आलोचकों ने एक और टिप्पणी पर सवाल उठाया है जैसे कि 'किसी को तो उस योजना को ही चुनौती देनी चाहिए थी। वह हमारी प्रार्थना नहीं है। आप बस चुनाव को रद्द घोषित करवाना चाहते हैं,' मुख्य न्यायाधीश ने कह यह भी जोड़ते हुए, 'हम मुफ्त की चीज़ों के मुद्दे पर विचार करेंगे। लेकिन हमें नेक इरादे भी देखने होंगे... हम किसी ऐसी पार्टी के कहने पर ऐसा नहीं कर सकते जो अभी-अभी चुनाव हारी है। जब आप सत्ता में आएंगे, तो आप भी ठीक वैसा ही करेंगे।' इस आखिरी टिप्पणी को पहले लेते हैं। किसी राजनीतिक पार्टी से यह कहना कि जब आप सत्ता में आएंगे, तो आप भी ठीक वैसा ही करेंगे, यह सिर्फ कोर्ट की कल्पना है, और यह एक ज्योतिषीय भविष्यवाणी की तरह है, न कि कोई ठोस कानूनी विचार। कोर्ट को ऐसी अटकलबाजी वाली भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यह किसी के कुछ गलत करने से पहले ही उसे नीचा दिखाना है। एक राजनीतिक पार्टी लोकतंत्र में एक स्टेक होल्डर होती है, और शायद मुख्य न्यायाधीश का यह कहना सही नहीं हो सकता कि 'हम उस पार्टी के कहने पर (फ्री बीज के मुद्दे को) नहीं देख सकते जो अभी-अभी चुनाव हारी है। कोर्ट ने कहा कि फिर हमें नेक इरादे भी देखने होंगे। यह समझना मुश्किल है कि चुनाव हारने वाली राजनीतिक पार्टी द्वारा आदर्श आचार संहिता के साफ तौर पर उल्लंघन वाले मुद्दे को उठाना नेक इरादा क्यों नहीं है। देश का कोई भी नागरिक नेक इरादे वाला होता है, जब तक यह सिद्ध न हो कि उसके इरादे गलत हैं, और इसलिए उसकी बात सुनी जानी चाहिए, वैसी स्थिति में भी जब वह अपने प्रयासों में पूरी तरह विफल रहे। यह याचिका भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई थी, जो मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय में जाने की अनुमति देता है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि सही उपाय हाई कोर्ट में याचिका दायर करना था क्योंकि यह 'राज्य-विशिष्ट' था। हालांकि, सिर्फ राज्य-विशिष्ट होने से अनुच्छेद 32 अपने आप अनुपलब्ध नहीं हो जाता, खासकर जहां अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और अनुच्छेद 14 के तहत समानता जैसे संवैधानिक अधिकारों का कथित तौर पर उल्लंघन किया गया हो। कोर्ट ने इस बात की जांच ही नहीं की कि चुनावी आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन को भ्रष्ट आचरण माना जा सकता है या नहीं। ठीक इसी कारण से, याचिका पर सुनवाई से इनकार करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को राजनीतिक विचारों पर आधारित माना जा रहा है, यानी पार्टी की चुनावी सफलता की कमी, और आरोपों की कानूनी खूबियों के आकलन के बजाय क्षेत्राधिकार जैसी प्रक्रियात्मक तकनीकी बातों के आधार पर। सर्वोच्च न्यायालय का यह विचार कि यह एक चुनावी विवाद जैसा लग रहा था और इसलिए इसे हाई कोर्ट द्वारा तय किया जाना चाहिए, केवल आंशिक रूप से सही है, और सिद्धांत रूप में गलत नहीं हो सकता है। हालांकि, जब स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के व्यवस्थित उल्लंघन, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग, मतदाताओं को बड़े पैमाने पर प्रलोभन या रिश्वत, अनुच्छेद 14 के तहत समानता का उल्लंघन, और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत चुनावी पसंद में विकृति जैसे आरोप शामिल होते हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय का इंकार सही नहीं है। यह खासकर तब है जब सर्वोच्च न्यायालय पहले ही यह तय कर चुका है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव भारत के संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं।

कोर्ट ने चुनावी हार, सीटों के नुकसान, या प्रचार पाने का ज़िक्र करते हुए राजनीतिक टिप्पणी को कानूनी क्षेत्राधिकार के साथ मिलाकर गलती की है। अदालतों से उम्मीद की जाती है कि वे राजनीतिक लोकप्रियता को संवैधानिक न्याय से अलग रखें। 'व्यवस्थित प्रभाव डालने' की जांच किए बिना याचिका पर सुनवाई से इंकार करना भी गलत है क्योंकि याचिकाकर्ता ने चुनावी पसंद में व्यवस्थित विकृति का मुद्दा उठाया था जो एक संवैधानिक मुद्दा है, और यह व्यक्तिगत भ्रष्ट आचरण नहीं है जिसे चुनाव याचिकाओं द्वारा निपटाया जाना चाहिए। कोर्ट का इंकार अपने ही संवैधानिक मिसालों और फैसलों के अनुरूप नहीं है। कमजोर या अलोकप्रिय याचिकाकर्ता भी संवैधानिक कमियों को उजागर कर सकते हैं। उन कमियों की शुरूआत में ही जांच करने से इंकार करके, कोर्ट ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका से पीछे हटने के बजाय उसे मजबूत करने का अवसर खो दिया है।

खेल/विदेश/कारोबार

यूक्रेन-रूस युद्ध पर अमेरिका की जून समयसीमा, शांति वार्ता को लेकर दबाव बढ़ा

(एजेन्सी)।

कूटनीतिक हलचल के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर एक नई समयसीमा सामने आई है। बात करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने संकेत दिया है कि अमेरिका ने यूक्रेन और रूस दोनों को जून तक युद्ध समाप्त करने का लक्ष्य दिया है। बता दें कि शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में जेलेंस्की ने कहा कि यदि जून तक कोई ठोस समाधान नहीं निकलता है, तो ट्रंप प्रशासन दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ा सकता है। उनके अनुसार, अमेरिकी पक्ष चाहता है कि गर्मियों की शुरूआत तक युद्ध समाप्त हो और इसके लिए सभी घटनाक्रमों का एक स्पष्ट कार्यक्रम तय किया जाए।

गौरतलब है कि जेलेंस्की ने यह भी बताया कि अमेरिका ने अगले सप्ताह त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है, जो पहली बार अमेरिकी धरती पर हो सकती है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह बैठक मियामी में आयोजित होने की संभावना है और यूक्रेन ने इसमें भागीदारी की पुष्टि कर दी है। यह कूटनीतिक पहल ऐसे समय सामने आई है, जब रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले तेज कर दिए हैं। जेलेंस्की के मुताबिक शनिवार रात रूस ने 400 से अधिक ड्रोन और करीब 40 मिसाइलें दागीं, जिनका निशाना बिजली ग्रिड, उत्पादन केंद्र और वितरण नेटवर्क रहे हैं। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा ट्रांसमिशन कंपनी यूक्रएनर्जो ने कहा है कि यह इस साल की शुरूआत के बाद ऊर्जा ढांचे पर दूसरा बड़ा हमला है। इन हमलों के चलते देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को उत्पादन घटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। कंपनी के बयान में कहा गया है कि प्रमुख हाई-वोल्टेज सबस्टेशनों पर मिसाइल हमलों के कारण नियंत्रित क्षेत्रों में मौजूद सभी परमाणु बिजलीघरों को अपना लोड कम करना पड़ा। आठ अलग-अलग क्षेत्रों में ऊर्जा सुविधाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया।

जानकारों का मानना है कि लगातार हो रहे हमले और बढ़ता कूटनीतिक दबाव आने वाले हफ्तों में युद्ध की दिशा तय कर सकते हैं। अमेरिका की जून समयसीमा को अब शांति प्रयासों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

अगले 5 वर्षों में 500 अरब डॉलर की खरीदारी करेगा भारत

(एजेन्सी)।

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को एक नई ऊंचाई देते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं खरीदने के लिए पूरी तरह तैयार है। गोयल ने इस लक्ष्य को "अत्यंत रूढ़िवादी" बताते हुए कहा कि $30 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ते देश के लिए यह राशि बहुत कम है। पीटीआई वीडियो को दिए एक साक्षात्कार में गोयल ने कहा, मेरा मानना है कि तेल, एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल के अलावा हमें केवल विमानन क्षेत्र के लिए ही कम से कम 100 अरब डॉलर से अधिक की आवश्यकता है।

मंत्री गोयल ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि भारत की मांग केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा:-विमानन क्षेत्र: अकेले विमानन क्षेत्र के लिए कम से कम $100 अरब से अधिक की आवश्यकता है। बोइंग के पास पहले से ही $50 अरब के ऑर्डर हैं। ऊर्जा उत्पाद: एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल के आयात में अमेरिका भारत का प्रमुख भागीदार रहेगा।

तकनीकी उपकरण: सेमीकंडक्टर चिप, डेटा सेंटर उपकरण, एआई मशीनरी और एनवीडिया चिप्स की आपूर्ति के लिए अमेरिका सबसे शक्तिशाली स्रोत है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे पर दोनों पक्षों द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान के पुर्जे, कीमती धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने इच्छा व्यक्त की है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि भारतीय वस्तुओं पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क होने के बावजूद, ये अमेरिका के बाजारों में चीन और अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के उत्पादों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बनाए रखेंगी, जो उच्च शुल्कों का सामना कर रहे हैं।

चीन पर 35 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया है, जबकि एशिया के अन्य देशों पर 19 प्रतिशत या उससे अधिक शुल्क लागू हैं। उन्होंने कहा कि इस वक्त भारत अमेरिका से लगभग 300 अरब डॉलर के उन सामानों का आयात कर सकता है, जो वह फिलहाल दूसरे देशों से खरीद रहा है।

रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक विकास की ओर बढ़ते कदम, आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं

(एजेन्सी)।

भारत और मलेशिया ने रविवार को अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊँचाई पर ले जाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच हुई व्यापक वार्ता के बाद, दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए 11 ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। भारत और मलेशिया ने रविवार को व्यापार एवं निवेश, रक्षा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ व्यापक वार्ता के बाद मोदी ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा: आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं।

दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गहन सहभागिता के लिए एक रूपरेखा समझौते सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कुल 11 समझौतों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे। मोदी और इब्राहिम दोनों ने व्यापार निस्तारण के लिए स्थानीय मुद्राओं - भारतीय रुपया और मलेशियाई रिंगिट के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने भारत-मलेशिया संबंधों को विशेष बताते हुए कहा, हम रणनीतिक विश्वास के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने मीडिया में जारी अपने बयान में कहा, हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं। मोदी ने मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के भारत के निर्णय की भी घोषणा की। अपने संबोधन में इब्राहिम ने भारत की आर्थिक वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि अगर उनका देश भारत के साथ सहयोग के और अधिक तरीके एवं अवसर तलाश सके तो उसे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा, यह (भारत की आर्थिक वृद्धि) अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और व्यापार के क्षेत्र में एक शानदार उन्नति है। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं का उपयोग करने के निर्णय को उल्लेखनीय बताया। वार्ता के दौरान मलेशिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए मोदी ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को मजबूत किया जाएगा, साथ ही दोनों पक्ष रक्षा संबंधों को और आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ हम सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) फोरम में हुई चर्चाओं ने व्यापार और निवेश के नए अवसर खोले हैं। प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भारत के रुख और इस क्षेत्र में 10 देशों के समूह वाले आसियान (दक्षिणपूर्व एशियाई देशों का संघ) की केंद्रीय भूमिका पर भारत के दृढ़ विचारों का उल्लेख किया।

इटली में अमेरिकी खिलाड़ियों के सामने नींद और जुनून की जंग

(एजेन्सी)। इटली में चल रहे मिलान-कोर्तिना विंटर ओलंपिक के दौरान ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है, जहां अमेरिकी खिलाड़ियों के सामने सुपर बाउल और ओलंपिक मुकाबलों का टकराव खड़ा हो गया। बता दें कि यूएसए ल्यूज टीम के खिलाड़ी जैक डि ग्रेगोरियो न्यू इंग्लैंड पैट्रियट्स के जबरदस्त प्रशंसक हैं। मैसाचुसेट्स में जन्मे जैक का पैट्रियट्स से जुड़ाव पारिवारिक भी है, क्योंकि उनकी मां पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से इस फ्रेंचाइजी के साथ काम कर रही हैं। ऐसे में सुपर बाउल जैसे बड़े मुकाबले को मिस करना उनके लिए आसान नहीं है। मौजूद जानकारी के अनुसार इटली में पैट्रियट्स और सिएटल सीहॉक्स के बीच होने वाला सुपर बाउल मुकाबला सोमवार तड़के 12:30 बजे शुरू होगा। यही वह समय है, जब ओलंपिक में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को अगले दिन के मुकाबलों के लिए आराम करना चाहिए। खुद जैक डि ग्रेगोरियो ने माना कि अगर रात में नींद खुली तो वे स्कोर जरूर देखेंगे, हालांकि पूरी तरह जागने का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी ओलंपिक दल में मैसाचुसेट्स और वॉशिंगटन से आए कई खिलाड़ी हैं, जिनकी दिलचस्पी इस मुकाबले में स्वाभाविक रूप से बनी हुई है। कर्लिंग खिलाड़ी कोरी ड्रॉपकिन ने साफ कहा कि वह मैच नहीं देख पाएंगे, लेकिन समर्थन के तौर पर पैट्रियट्स की जर्सी पहनकर सोएंगे। कुछ खिलाड़ियों के परिवारों के लिए यह टकराव और भी भावनात्मक बन गया है।

वैभव सूर्यवंशी बने भारतीय क्रिकेट के नए 'सुपरस्टार'

(एजेन्सी)।

शुक्रवार को हरारे में खेले गए अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत के नायक वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली। यह अंडर-19 विश्व कप फाइनल इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा। गौरतलब है कि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। वैभव ने शुरूआत से ही इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। 15 चौके और 15 छक्कों से सजी उनकी पारी ने स्कोरबोर्ड को तेजी से आगे बढ़ाया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने 40 रन जोड़कर रनगति बनाए रखी। भारतीय टीम 411/9 के विशाल स्कोर तक पहुंची। जवाब में इंग्लैंड की शुरूआत ठीक रही, लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा गया। 142/2 से टीम 177/7 तक सिमटती चली गई। मौजूद जानकारी के अनुसार, केलैब फाल्कनर ने अकेले दम पर 67 गेंदों में 115 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा था कि इंग्लैंड की टीम उसे चुनौती नहीं दे सकी।

मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी ने इंस्टाग्राम पर ट्रॉफी के साथ तस्वीर साझा की और लिखा कि उन्हें मैदान पर खेलना अच्छा लगा और वह खुश हैं कि टीम की जीत में योगदान दे सके। उन्होंने मिले समर्थन के लिए आभार भी जताया।

भारत के इस शानदार अभियान की क्रिकेट जगत में खूब सराहना हुई। पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान विराट कोहली ने टीम की निरंतर सफलता की तारीफ की, वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इसे भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य का संकेत बताया।

वीबी-जी राम जी से मजदूर-किसानों को मिलेगा अधिक रोजगार व साप्ताहिक भुगतान: हरविन्द्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर व्यक्ति का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इसके लिए गांवों को मजबूत करना सबसे जरूरी है, क्योंकि गांव देश की तरक्की की जड़ हैं।

हरविंदर कल्याण घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के गांव फुरलक व बसताड़ा स्थित आरपीआईआईटी कॉलेज में आयोजित जी राम जी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

कार्यक्रम में उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर, पगड़ी पहनाकर व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि मनरेगा में बदलाव कर इसे वीबी-जी राम जी योजना का रूप दिया गया है, जिससे किसानों व मजदूरों को सीधा लाभ मिलेगा। अब श्रमिकों को 100 के बजाय 125 दिन रोजगार की गारंटी मिलेगी और भुगतान हर सप्ताह किया जाएगा। योजना में केंद्र की 60 और राज्य की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई है। फसल सीजन के 60 दिनों में कार्य स्थगित रहेगा, ताकि किसानों को खेती के लिए मजदूर आसानी से उपलब्ध हो सकें।

विधानसभा स्पीकर ने घरौंडा हलके में पिछले 11 वर्षों में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि फुरलक गांव की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए सड़क की चौड़ाई 9 फुट से बढ़ाकर पहले 18 और फिर 35 फुट कराई गई है। क्षेत्र में मेडिकल यूनिवर्सिटी, एनसीसी अकादमी तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि 17 स्कूलों को क्रमोन्नत कर सीनियर सेकेंडरी बनाया गया, लड़कियों के लिए कॉलेज, आईटीआई, 75 नई सड़कें, सैकड़ों खेतों के रास्ते, फिरनियां तथा करनाल में नई चीनी मिल का निर्माण कराया गया है। घरौंडा में रेलवे से भूमि लेकर रास्ता बनवाने से करीब डेढ़ दर्जन गांवों को लाभ हुआ है। यमुना बेल्ट में दूसरी आईटीआई प्रस्तावित है तथा बाढ़ से बचाव के लिए यमुना तट पर स्टड मजबूत किए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि एक समय हरियाणा में सरकारी नौकरियां सिफारिश के आधार पर मिलती थीं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के व्यवस्था परिवर्तन से आज मेरिट के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों, मजदूरों और गरीबों का दर्द समझते हैं और भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जी राम जी योजना को लेकर विपक्ष के बहकावे में न आएं और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के हाथ मजबूत करें। साथ ही युवाओं से नशे से दूर रहकर मेहनत और संस्कार अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी भारत भूषण, पूर्व चेयरपर्सन निर्मल बैरागी, पुनीत, सतबीर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने विचार रखे। कार्यक्रम में एसडीएम राजेश सोनी, बीडीपीओ सतबीर खटकड़, घरौंडा नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, भाजपा जिला महामंत्री सुभाष कश्यप, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन गंगा पुल परियोजना के निर्माण कार्य का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ संजय

हाजीपुर। मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने 08 फरवरी को कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस परियोजना को तेजी से पूरा किया जा रहा है। बचे हुये कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के बचे हुये कार्यों को तेजी से पूर्ण करें। साथ-साथ पहुँच पथ का भी निर्माण कार्य पूर्ण करें ताकि आवागमन निर्बाध और सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से निर्बाध सड़क सम्पर्कता मिलेगी। इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का और तेजी से विकास होगा।

आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में इलाज के लिये पटना पहुँचने में मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के प्रथम चरण के लोकार्पण के बाद पटना से राघोपुर तक की सम्पर्कता बहाल हो चुकी है।वे इस परियोजना के निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण करते रहे हैं और इसे जल्द पूरा करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से महात्मा गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम होगा तथा उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार की सम्पर्कता के लिये लोगों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिलेगा जिससे आवागमन और सुगम होगा। इस पुल के निर्माण से पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी के साथ आवागमन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आमस-दरभंगा एक्सप्रेस-वे से कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना जुड़ेगा जिससे समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी की तरफ जानेवाले लोगों को काफी सहूलियत होगी और समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा 23 जून 2025 को कच्ची दरगाह (पटना) से राघोपुर दियारा (वैशाली) तक नवनिर्मित पथांश का उद्घाटन किया गया था। पटना जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सख्या-103 पर अवस्थित बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 कि०मी० लम्बाई के 6 लेन ग्रीन फिल्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 9.76 कि०मी० लम्बा पुल तथा 10 कि०मी० लम्बा पहुंच पथों का निर्माण कार्य होना है।

प्रथम चरण में कच्ची दरगाह, पटना से राघोपुर दियारा, वैशाली (कुल लम्बाई 4.57 कि०मी०) का उद्घाटन हो चुका है। द्वितीय चरण में हाजीपुर-महनार पथ (एन०एच०-122बी) से चकसिकन्दर (एन0एच0-322) तक तथा तृतीय चरण में राघोपुर दियारा से हाजीपुर-महनार पथ (एच०एच०-122बी) का निर्माण किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद, संजय कुमार झा, पथ निर्माण विभाग के सचिव, पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव, कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव,डॉ० चंद्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, शीर्षत कपिल अशोक, पटना जिला के जिलाधिकारी, डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वैशाली जिला की जिलाधिकारी, वर्षा सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक, कार्तिकेय के० शर्मा, वैशाली जिला के पुलिस अधीक्षक, विक्रम सिहाग सहित वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राजौंद में लेक्चरर फिजिकल एजुकेशन एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

राजौंद में लेक्चरर फिजिकल एजुकेशन एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक हुई। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। लेक्चरर फिजिकल एजुकेशन एसोसिएशन (हरियाणा) की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन पीएम श्री गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजौंद में किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राज्य प्रधान श्री सोहन पाल राणा ने की। इस अवसर पर हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) के राज्य प्रधान श्री सतपाल सिंधु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

■ फिजिकल एजुकेशन को सभी स्ट्रीम में समान दर्जा देने और पद सृजन को लेकर बनी साझा रणनीति

बैठक में फिजिकल एजुकेशन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख एजेंडे में राज्य के सभी विद्यालयों में आर्ट्स स्ट्रीम की तर्ज पर साइंस एवं कॉमर्स स्ट्रीम में भी फिजिकल एजुकेशन विषय को अन्य विषयों के समान लागू करवाने की मांग शामिल रही। इसके साथ ही सभी जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एईओ (खेल) के पद पर पीजीटी फिजिकल एजुकेशन की नियुक्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा बोर्ड कक्षाओं की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया में पीजीटी फिजिकल एजुकेशन की ड्यूटी लगाने तथा आगामी ट्रांसफर ड्राइव के दौरान सभी विद्यालयों में पीजीटी फिजिकल एजुकेशन के पद सृजित करवाने को लेकर भी प्रस्ताव पारित किए गए।

मुख्य अतिथि श्री सतपाल सिंधु ने सभी सदस्यों से प्रत्येक मांग को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। पूर्व राज्य प्रधान श्री दिनेश चौधरी ने साथियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी पूरी निष्ठा व समर्पण से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। राज्य प्रधान श्री सोहन पाल राणा ने बैठक में उपस्थित सभी जिला प्रधानों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वरिष्ठ साथियों और युवाओं को साथ लेकर संगठन को मजबूती देने का संकल्प दोहराया।

बैठक में संगठन के वरिष्ठ साथी सत्यवान (भिवानी), अनूप (एईओ फतेहाबाद), रामनिवास, ईश्वर, राममेहर, अजय श्योराण, डॉ. मनोज नैन, कुलदीप मक्कड़, अमरिंदर (अंबाला), प्रवीण कुमार, पूर्व जनरल सेक्रेटरी अशोक कुमार, मनोज कुमार, भूपेंद्र, शिव भारद्वाज सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा ने विकास के नाम पर जनता को ठगा, करनाल आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित: पराग गाबा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष पराग गाबा ने भाजपा सरकार पर विकास को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाए, लेकिन कई वर्षों के बाद भी करनाल में विकास के नाम पर कोई ठोस काम दिखाई नहीं देता। भाजपा ने झूठे वादों के सहारे जनता से वोट हथियाने का काम किया है।

गाबा ने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से बना करनाल का कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज अस्पताल सफेद हाथी बनकर रह गया है। मेडिकल कॉलेज से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद थी, लेकिन अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को रेफर किया जा रहा है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की यह बदहाली सीधे तौर पर आम जनता के साथ अन्याय है। सरकार को चाहिए कि वह मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की कमी को शीघ्र पूरा करें, ताकि लोगों को अपने ही जिले में बेहतर इलाज मिल सके।

वहीं पराग गाबा ने प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का युवा सबसे अधिक परेशान है। पढ़े-लिखे युवक-युवतियां रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, लेकिन सरकार के पास रोजगार सृजन को लेकर कोई ठोस नीति नहीं है। इसके चलते युवाओं का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के साथ खड़ी है और उनके मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना: बेटियों की शादी में मददगार बन रही सरकार

डीसी कैथल अपराजिता।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता के लिए क्रियान्वित की जा रही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजनों की शादी में एक बड़ा संबल साबित हो रही है।

डीसी अपराजिता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में आने वाली आर्थिक चिंता को दूर करना और समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। उन्होंने जिले के सभी पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों से अपील की है कि वे सरकार की इस कल्याणकारी योजना का लाभ उठाने के लिए shadi.edisha.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें।

योजना के तहत दी जाने वाली राशि का विवरण देते हुए डीसी अपराजिता ने बताया कि अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति और टपरीवास जाति के वे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है, उनकी बेटियों के विवाह पर सरकार द्वारा 71 हजार रुपये की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसी प्रकार, पिछड़े वर्ग और सामान्य वर्ग के पात्र परिवारों को, जिनकी वार्षिक आय सीमा 1.80 लाख रुपये तक है, उनकी बेटियों की शादी के लिए 41 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने विशेष परिस्थितियों में रहने वाली महिलाओं का भी विशेष ध्यान रखा है। सभी वर्गों की विधवा, अनाथ, तलाकशुदा और बेसहारा महिलाओं के बच्चों तथा उनकी बेटियों की शादी के लिए 51 हजार रुपये की राशि अनुदान के रूप में दी जाती है। इसके अलावा, 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाली महिला खिलाड़ियों की शादी के लिए भी 41 हजार रुपये की सहायता राशि का प्रावधान है।

दिव्यांगजनों को मिलने वाली सहायता के बारे में उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि विवाह में वर और वधू दोनों ही दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51 हजार रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी। वहीं, यदि वर या वधू में से कोई एक व्यक्ति दिव्यांग है, तो उन्हें 41 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

डीसी अपराजिता ने महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद छह माह के भीतर विवाह पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आवेदन की प्रक्रिया को पूरी तरह सरल और सुगम बनाया गया है ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके।

कैथल के माजरा रोहेड़ा में बड़ा हादसा, 11 हजार वोल्ट लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। कैथल जिले के गांव माजरा रोहेड़ा में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा लगाए गए ट्यूबवेल को ठीक करते समय बोरिंग मशीन पर काम कर रहे दो मजदूर 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आ गए। इस हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

■ ट्यूबवेल ठीक करते समय बोरिंग मशीन की तिपाई हाई वोल्टेज तार से टकराई, एक मजदूर गंभीर रूप से घायल

जानकारी के अनुसार गांव माजरा रोहेड़ा में स्थित ट्यूबवेल पिछले कई दिनों से खराब पड़ा था। उसे ठीक करने के लिए दोपहर के समय बोरिंग मशीन के साथ मजदूर मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक मशीन की तिपाई ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली लाइन से छू गई। करंट लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत राजौंद थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों मजदूरों को अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने एक मजदूर को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे का इलाज जारी है।

मृतक की पहचान गांव मानस निवासी उदय सिंह (48) के रूप में हुई है। मृतक के जीजा गांव किठाना निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि उदय सिंह लंबे समय से बोरिंग मशीन पर काम करता था और रविवार को भी वह अपने दो साथियों के साथ काम के सिलसिले में गांव माजरा रोहेड़ा गया था। दुर्भाग्यवश यह हादसा हो गया।

उदय सिंह अपने पीछे एक बेटा और दो बेटियों को छोड़ गया है, जिनकी अभी शादी नहीं हुई है। वहीं घायल मजदूर की पहचान जसबीर, निवासी गांव मांडी (जिला जींद), उम्र करीब 33 वर्ष के रूप में हुई है, जिसका एक बेटा है।

राजौंद थाना से पहुंचे जांच अधिकारी अजय ने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और मामले में इत्तेफाकिया मौत की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर राजौंद में भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय (असंध) के तत्वावधान में 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 11 फरवरी, दिन बुधवार को प्रातः 10:30 बजे सुख शांति भवन, कैथल रोड, राजौंद में संपन्न होगा।

■ ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सुख शांति भवन में होगा विशेष आयोजन

इस अवसर पर आयोजकों द्वारा कोटि-कोटि बधाइयों के साथ समस्त नगरवासियों को आमंत्रण दिया गया है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आध्यात्मिक जागरूकता के साथ मानव जीवन में शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राजयोगिनी तपस्वी भ्राता मेहर चंद जी (डायरेक्टर, ब्रह्माकुमारीज गढ़वाल क्षेत्र, उत्तराखंड एवं करनाल, सीनियर नेशनल कोऑर्डिनेटर स्पोर्ट्स विंग, आरईआरएफ (माउंट आबू) होंगी, जो शिव अवतरण के आध्यात्मिक रहस्य पर अपने विचार साझा करेंगी।

बताया गया कि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनय गुप्ता (एम. एंड ई. अधिकारी, मनोचिकित्सा विभाग, सिविल हॉस्पिटल, जिला कैथल) पहुंचेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में यशपाल राणा (प्रेसिडेंट, गोल्ड लाइफ स्कूल, राजौंद) तथा विशिष्ट अतिथि अशोक शर्मा (प्रेसिडेंट, शिव मंदिर धर्मशाला, राजौंद) कार्यक्रम में शामिल होंगे। बताया गया कि कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी (असंध सेवाकेंद्र प्रभारी, गीता कॉलोनी) राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उषा दीदी (असंध सर्कल इंचार्ज) पहुंच रहीं हैं।

आयोजकों ने बताया कि राजौंद क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित इस दिव्य आयोजन में भाग लेंगे।

खानपुर थानाध्यक्ष ने समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहे तीन अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संजना भारती संवाददाता

अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के कोठिया गाँव में छापामारी कर समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत-NBW वारंट जिसका GR-न0 2119/2014 एवं TR-न0 384/2025 में फरार चल रहा अभियुक्त (1) सुनील सहनी पिता बालेश्वर सहनी-ग्राम-कोठिया-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

■ पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार ने गिरफ्तार तीनो अभियुक्त को भेजा जेल

वही खानपुर थाना में दर्ज सनहा संख्या-193/216 में गिरफ्तार (2) मो0 इसरार पिता मो0 अहमद (3) मो0 मुक्ताज दोनों पिता-जमालर सोनो ग्राम-श्रीपुरगाहर थाना खानपुर को बीती रात पुलिस फोर्स के सहयोग से गिरफ्तार कर थाना लाया गया। वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त ने समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में घर छोड़ कर फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के साथ बीती रात अगल अगल गाँव में छापामारी कर तीन अभियुक्त को घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसे गिरफ्तारी कागजात तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

पंजाब सरकार द्वारा प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री एवं प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. पुष्पिंदर सिंह गिल महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, पटियाला के कुलपति नियुक्त

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने डॉ. पुष्पिंदर सिंह गिल को महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (एम.बी.एस.पी.एस.यू.), पटियाला का कुलपति नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल पद ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष का होगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. पुष्पिंदर सिंह गिल के पास शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय परामर्श के क्षेत्र में 36 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. गिल ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ दी हैं और उनकी नेतृत्व क्षमता पंजाब की प्रमुख खेल विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी। यह भी उल्लेखनीय है कि डॉ. गिल ने पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से वर्ष 1993 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में अपने शानदार शैक्षणिक करियर के दौरान डॉ. गिल ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में विशेष रूप से सेवा दी। अपने शैक्षणिक करियर में नए मानक स्थापित करते हुए डॉ. गिल ने वर्ष 1999 से 2001 तक अफ्रीका (यूगांडा, केन्या, इथियोपिया और नाइजीरिया) में कोका-कोला कंपनी के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कीं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुशल कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा रणनीतिक प्रबंधन की विशेषज्ञता लाई। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 84 शोध प्रकाशन के अलावा 10 पुस्तकें तथा प्रख्यात पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में प्रबंधन एवं संबंधित विषयों पर आधारित 400 से अधिक लेख शामिल हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि डॉ. गिल की विशेषज्ञता महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को एकीकृत खेल शिक्षा, उच्च-प्रदर्शन खेल, और व्यावहारिक अनुसंधान के क्षेत्र में देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था के रूप में स्थापित करेगी, जहाँ विद्यार्थी, एथलीट, फैकल्टी, कोच और उद्योग मिलकर ज्ञान सृजन करेंगे तथा विज्ञान को पोडियम प्रदर्शन और खेल-क्षेत्र के करियर में बदलेंगे। उन्होंने उत्तराखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में लोक सेवा आयोगों में विशेषज्ञ के रूप में भी सेवाएँ दी हैं।

मेंटेनेंस कार्य को लेकर चार घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। 33 केवी लाइन मंसूरचक अंतगर्त दिनांक 9 फरवरी से लेकर 12 फरवरी तक मरम्मत कार्य होना है। इसको लेकर पेड़ पौधों की कटाई व तारों को दुरूस्त किया जाएगा। 10 बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक विधुत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह बातें की जानकारी कनीय विधुत अभियंता हर्ष कुमार मौर्य ने दिया। उन्होंने आमजनों से अपील किया है कि बिजली से उपयोग जरूरी कार्य सुबह या शाम को निपटा लें।

बेगूसराय हीरो 2.0 में हीरो डेस्टिनी 110 की हुई लांचिंग

एसबी संवाददाता

बेगूसराय। हरपुर में बेगूसराय हीरो 2.0 शोरूम में शुक्रवार को हीरो डेस्टिनी 110 की लांचिंग हुई इसकी लॉचिंग संस्था के संस्थापक विष्णु कुमार मेंगोटिया ने की।

बताया गया कि शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 76 हजार रुपये है। स्टाइलिश डिजाइन, एलईडी हेड लैंप, थ्री डी ब्रांडिंग, स्ट्रांग मेटल बॉडी, कंफर्टेबल सीट, एलॉय व्हील के साथ नए क्लासिक रंग में बनाया गया है। बताया गया कि अभी हीरो के गाड़ियों पर एक्सचेंज छूट एवं कॉर्पोरेट छूट भी 2200/-से 6000/ तक चल रहा है। इस मौके पर टाटा ए आई जी के प्रबंधक पंकज कुमार, शोरूम के मैनेजर त्रिलोकी रस्तोगी, नेटवर्क मैनेजर अनिल कुमार एवं सेल्स एवं सर्विस के सभी कर्मी और हमारे ग्राहक मौजूद थे।

पशु पालकों को मिलेंगी सस्ती दवाएं: गुरमीत सिंह खुडियां

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सूबा सरकार छह जिलों में 'ब्लू क्रास' वैटरनरी मैडिसन स्टोर खोलने जा रही है जिसका उदेश्य उन्नत पशु सेहत संभाल सेवाओं को और ज्यादा पहुंचयोग्य और किफायती बनाना है। इस प्रोजेक्ट सम्बन्धित विवरन सांझा करते हुए पंजाब के पशु पालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास मंत्री स.गुरमीत सिंह खुडियां ने कहा कि यह कदम किसानों पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करने के साथ-साथ ग्रामीण आर्थिकता की रीढ़ की हड्डी पशु पालन सैक्टर को बढ़ावा देगा।

लंबे वर्किंग आवर्स पर अर्जुन बिजलानी का खुलासा

टीवी की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार और रंगीन दिखाई देती है, अंदर से उतनी ही दबाव से भरी होती है। दर्शक रोज अपने पसंदीदा कलाकारों को टीवी स्क्रीन पर देखते हैं, लेकिन उनकी मेहनत, थकान और मानसिक तनाव से अनजान रहते हैं। घंटों शूटिंग, लगातार काम का दबाव और निजी जीवन के लिए कम समय, ये सब टीवी कलाकारों की रोजमर्रा जिंदगी का हिस्सा है। इसी मुद्दे पर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। अर्जुन बिजलानी ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, 'कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं।'

अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।''

जब उनसे पूछा कि क्या टीवी इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए, तो अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''तकनीकी रूप से यह संभव नहीं है। जब कोई शो हफ्ते में सातों दिन टेलीकास्ट होता है, तो इतने कम समय में काम पूरा करना मुश्किल हो जाता है।'' अर्जुन ने कहा, ''अगर काम के घंटे घटाकर 8 कर दिए जाएं, तो शो की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। दर्शकों तक अच्छी क्वालिटी का कंटेंट पहुंचाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को 12 घंटे तक काम करना पड़ता है। काम और सेहत के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है।''

पर्दे पर 'हाउसवाइफ' का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट

राजकुमार राव के साथ बनेगी जोड़ी!

आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आईं हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी, जो अक्तूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी। अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी।

मेल लीड निभाएंगे राजकुमार!

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया के साथ इस फिल्म में राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। अगर ऐसा होता है तो आलिया और राजकुमार पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। अभिषेक पाठक 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी करने के बाद इस फिल्म को शुरू कर सकते हैं।

आलिया-राजकुमार के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

आलिया भट्ट आखिरी बार 'जिगरा' में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों में यशराज के स्पाई-यूनिवर्स की एक्शन फिल्म 'अल्फा' है। इसमें उनके साथ में शरवरी वाघ और बॉबी देओल प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं। वहीं, राजकुमार राव जल्द ही नेटफ्लिक्स की कॉमेडी फिल्म 'टोस्टर' में दिखाई देंगे। साथ ही वो एक बायोपिक ड्रामा में नजर आएंगे। जिसमें वे पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएंगे।

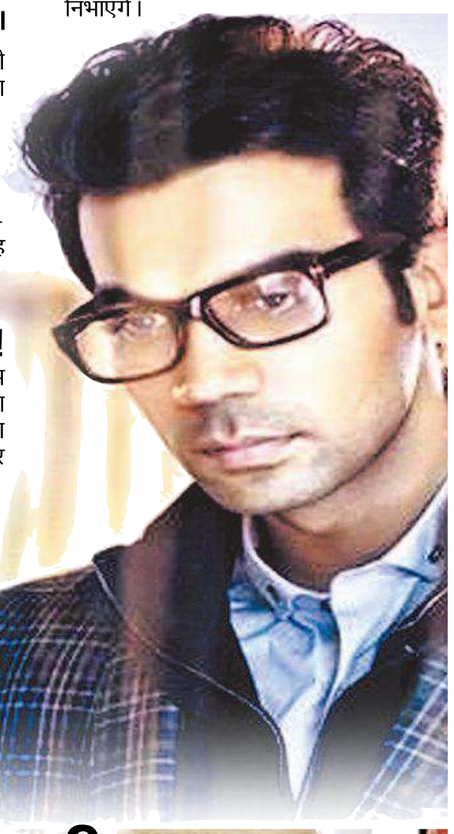

वीर दास ने कंगना को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाली एक्ट्रेस'

बालीवुड एक्टर और कॉमेडियन वीर दास अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। वे 'लव आज कल', 'बदमाश कंपनी', 'देली बेली' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कंगना रनौत के साथ भी 'रिवॉल्वर रानी' फिल्म में काम किया है। हाल ही में वीरदास ने एक इंटरव्यू में कंगना के साथ किए काम का अनुभव शेयर किया। फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' से अपनी और कंगना की एक तस्वीर पर रिएक्ट करते हुए वीर दास ने उनके साथ काम करने के अनुभव शेयर किया। वीर दास ने साथ बातचीत में कहा, 'इस फिल्म में हम दोनों ज्यादातर समय एक-दूसरे से लड़ते नजर आते हैं। यह एक डार्क और थोड़ी अलग तरह की ब्लैक कॉमेडी है। कंगना एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो पीढ़ियों में एक बार पैदा होती हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' के बारे में

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' में कंगना रनौत ने रिवॉल्वर रानी का लीड किरदार निभाया है। वहीं वीर दास ने रोहन मेहरा का रोल किया, जो एक उभरते हुए बॉलीवुड अभिनेता हैं और जिनसे कंगना का किरदार प्यार करने लगता है। कहानी में कुछ लोग रोहन को अगवा कर लेते हैं। इसके बाद उन्हें मारने का प्लान बनाते हैं। तब कंगना बंदूक उठाकर दुश्मनों से भिड़ जाती हैं और उनकी जान बचाती हैं। इस फिल्म का निर्देशन साई कबीर श्रीवास्तव ने किया था। फिल्म में पीयूष मिश्रा, जकिर हुसैन और जेशान कादरी भी अहम रोल में नजर आए थे।

वीर दास के हालिया प्रोजेक्ट्स

वीर दास हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस में बनी थी। इसमें मिथिला पालकर और मोना सिंह भी अहम किरदारों में थीं। वहीं इमरान खान और आमिर खान ने भी इस फिल्म में खास कैमियो किया था। इस फिल्म को क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। अब वीर दास कॉमेडी वर्ल्ड टूर 'हे स्ट्रेंजर' करने वाले हैं। यह टूर 27 फरवरी से शिकागो में शुरू होगा और 23 मई को मलेशिया में खत्म होगा।

सात साल बाद अभिनय में वापसी पर क्या बोलीं रिया चक्रवर्ती?

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपकमिंग सीरीज 'फैमिली बिजनेस' से स्क्रीन पर सात साल बाद वापसी कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के एलान के बाद एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने अपने काम पर लौटने के लंबे सफर के बारे में बताया। उन्होंने पर्दे पर वापसी के लिए आभार जताया है।

एक्टिंग में दोबारा आने पर बोली रिया?

हाल ही में रिया ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तैयार हो रही हैं। एक्टिंग में दोबारा वापसी करने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आखिरी बार 2019 में 'चेहरे' के लिए शूटिंग की थी। रिया ने कहा, '7 साल। यह सच में बहुत अजीब है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर से एक्टिंग करूंगी। यह अविश्वसनीय है क्योंकि यह एक सपने जैसा है। जब मैं 17 साल की थी, तब यह मेरा सपना था। फिर वह सब हुआ। इसके बाद मुझे काम मिलना बंद हो गया। फिर मैं वापस आ गई। हालांकि अब मैं बहुत बदल गई हूं। अब मेरा एक अलग करियर है। अब कई मायनों में यह मायने नहीं रखता। कई मायनों में यह अभी भी पहले से कहीं ज्यादा मायने रखता है।'

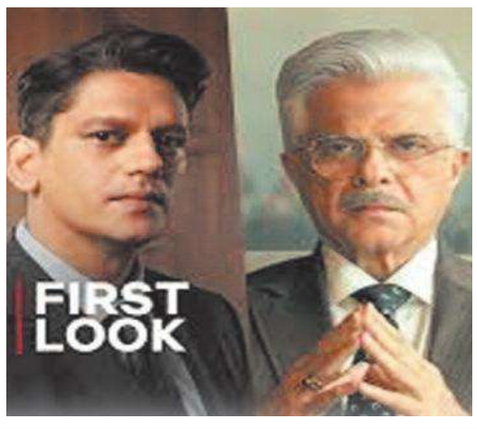

कौन सा सपना लेकर आई थीं रिया?

पोस्ट के कैप्शन में रिया ने लिखा 'सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं। हालांकि मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा।

'फैमिली बिजनेस' की स्टारकास्ट

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' में रिया के अलावा विजय वर्मा, अनिल कपूर, ध्रुव सहगल, नेहा धूपिया, राइमा सेन, आकाश खुराना, अपरा मेहता, नंदीश संधू, अनंत नाग, रोहन विनोद मेहरा, टीना देसाई, कंवलजीत सिंह, मधु और इनायत सूद प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है

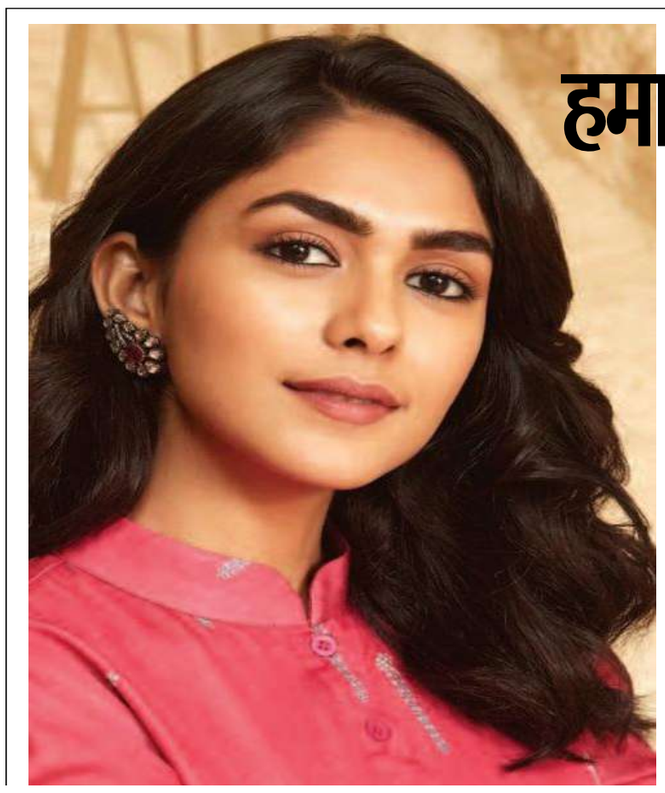

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। हाल ही में, एक तथाकथित शादी को लेकर कंट्रोवर्सी चर्चा में है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।' सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।